Infiltration of Burmese into Arunachal Pradesh

1618. SHRI B. V. DESAI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Arunachal Pradesh Government have urged the Centre to check Infiltration of Burmese nationals into the Union Territory;

(b) whether it is also a fact that large number of Burmese nationals have been crossing or entering Arunachal Pradesh for the last so many years;

(c) if so, the total number of Burmese nationals who have influxed into Arunachal Pradesh; and

(d) the steps being taken by Government to prevent them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR): (a) to (d). 199 Burmese nationals crossed over to Tirap District of Arunachal Pradesh in November, 1981. According to them, they sought refuge in India to escape from the threats of the Naga underground operating in Burmese territory. Arunachal Pradesh Government had also brought this matter to the notice of the Government of India. Ten refugees have since returned. Government of India have taken up the question of early return of the remaining refugees with the Government of Burma.

समुद्र तटीय क्षेत्रों में खोये पोतों का पता लगाने की परियोजना

1619. श्री आर. पी. गायकवाड़ : क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय समुद्र विज्ञान संस्थान प्राकृतिक आपदाओं और समुद्री युद्धों के कारण भारत के समुद्रतटीय क्षेत्रों में खोये सैकड़ों जलपोतों का पता लगाने के लिए एक परियोजना शुरू करने जा रहा है;

(ख) क्या सरकार ने इस योजना को अपनी स्वीकृति दे दी है और यदि हां, तो इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित किए जाने की संभावना है; और

(ग) इन प्रयोजनों के लिए किन-किन स्थलों का चयन किया गया है ।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इलैक्ट्रानिकी तथा पर्यावरण और महासागर विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्री सी. पी. एन. सिंह): (क) से (ग). राष्ट्रीय समुद्रविज्ञान संस्थान (एन. आई. ओ.) गोआ, ने भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अनुरोध पर "भारतीय जल में समुद्री पुरातत्व का अध्ययन" अनुसंधान योजना प्रारंभ की है । (1) द्वारका और कावेरीपट्टनम के जल में डूबे भागों का अन्वेषण और उत्खनन तथा (2) भारतीय जल में डूबे भग्न जलपोतों को ज्ञात करने और उद्धार की संभावनाओं से संबंधित [illegible] प्रतिवेदन पूरा किया गया ।

पहले गोआ, द्वारका और ट्रांकिवबार के जल में भग्नजलपोतों का पता लगाया जायेगा । गोआ और द्वारका के समीप अन्वेषण किए जाने वाले समुद्री क्षेत्र ज्ञात किए गए । यह परियोजना दो वर्षों के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष 88,400/- रु. के प्रदत्त अनुदान द्वारा समर्थित है ।

Pilferage of Cement from Government Godown in Delhi

1620. PROF. MADHU DANDAVATE:
SHRI PIUS TIRKEY:
SHRI RAM VILAS PASWAN:
SHRI KAMLA MISHRA MADHUKAR:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news in "*Times of India*" of 2 February, 1982 revealing that pilferage of cenment from Government godowns in Delhi and its sale in black market has assumed alarming proportions;